कवि सम्मेलन

दिनांक 17 नवम्बर 2022

सघन विविध कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में 14 से 17 नवम्बर तक लगातार छात्र संवर्द्धन कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मुक्तिबोध जयंती के बाद छत्तीसगढ़ी भाषा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। डॉ0 आर के टण्डन की अध्यक्षता एवं प्रो0 दिनेश संजय के संयोजन में प्रथम दिवस वंदना जायसवाल, सरोजनी डडसेना तथा संगीतमय उद्बोधन प्रो0 चरणदास बर्मन शासकीय महाविद्यालय चंद्रपुर के द्वारा हुआ। द्वितीय दिवस आर के पटेल प्रधान पाठक जैमुरा, ए के त्रिवेदी प्रधान पाठक खैरपाली, वरिष्ठ कवि मनमोहन ठाकुर एवं छत्तीसगढ़ी भाषा आयोग के जिला समन्वयक पुरूषोत्तम गुप्ता के द्वारा ददरिया, करमा मौलिक गीतों की प्रस्तुति के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव व विकास पर व्यापक चर्चा की गई। 17 नवम्बर को प्रो0 जयराम कुर्रे के संयोजन में स्तरीय गजल एवं सजल की मनभावन प्रस्तुति हुई। कवयित्री डॉ0 आकांक्षा के मंच संचालन में सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि प्राध्यापक डॉ0 रमेश टण्डन ने 'आँखों की हँसी' का कविता पाठ करते हुए कहा– ''दर्द कभी न छलके आँखों से, ठहाकों में रोने की आदत डाल लेना।'' गजलकार प्रो0 जयराम कुर्रे ने अपनी सजल में कहा – ''वो किताब फिर क्या कोई दूसरा पढ़ेगा, तेरी आँखें जिसने पढ़ ली, और क्या पढ़ेगा।'' प्रो0 गोवर्धन प्रसाद सूर्यवंशी ने आधुनिकता पर कविता पाठ किया। तिलस्मानी कवि कमल यशवंत सिन्हा तमनार ने अपनी गजल में कहा – ''माना कि बला की खूबसूरत हो तुम जाना।'' प्रसिद्ध शायर अनीस 'अरमान' ने कहा– ''न बदली छायी थी, न कोहरा छाया था।'' कवि चन्द्रप्रकाश लक्ष्में ने कल क्या होगा पर गीत की प्रस्तुती देकर समां बांध दिया। इस दौरान एम ए हिन्दी के छात्र प्रियंका पटैल, कौशिल्या गबेल, सोनिया चौहान, मुकेश पटैल, अनिल–विवेक, प्रिया महंत, अनिषा लहरे, मंजूलता साहू, रूकमणी पटेल, छाया डनसेना, दिव्या डनसेना, कीर्तन अजय, ट्विंकल सहित 70 से अधिक छात्रों की उपस्थिति अंत तक बनी रही।

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

Bisleri
Infinix NOTE 11

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+3RF, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh
496661, India
Lat 21.977852°
Long 83.112219°
17/11/22 01:00 PM GMT +05:30
Google

Infinix NOTE 11

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

Bisleri
Infinix NOTE 10

Infinix NOTE 10

GPS Map Camera
Kharsia, Chhattisgarh, India
X4H6+GWW, Thakurdiya, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Lat 21.978526°
Long 83.111867°
17/11/22 12:40 PM GMT +05:30
Google

दैनिक भास्कर
रायगढ़ भास्कर 20-11-2022

कवि सम्मेलन में गूंजे छात्रों के ठहाके

भास्कर न्यूज़ | खरसिया

सघन विविध कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में 14 से 17 नवंबर तक लगातार छात्र संवर्द्धन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुक्तिबोध जयंती के बाद छत्तीसगढ़ी भाषा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।

डॉ. आरके टण्डन की अध्यक्षता और प्रो. दिनेश संजय के संयोजन में प्रथम दिवस वंदना जायसवाल, सरोजनी डड़सेना और संगीतमय उद्बोधन प्रो. चरणदास बर्मन शासकीय महाविद्यालय चंद्रपुर के द्वारा हुआ। द्वितीय दिवस आर के पटेल प्रधान पाठक जैमुरा एके त्रिवेदी प्रधान पाठक खैरपाली, वरिष्ठ कवि मनमोहन ठाकुर व छत्तीसगढ़ी भाषा आयोग के जिला समन्वयक पुरुषोत्तम गुप्ता के द्वारा दर्दरिया, करमा मौलिक गीतों की प्रस्तुति के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव व विकास पर व्यापक चर्चा की गई। 17 नवंबर को प्रो. जयराम कुर्रे के संयोजन में स्तरीय गजल व सजल की मनभावन प्रस्तुति हुई।

सघन विविध कार्यक्रम में कॉलेज में मौजूद छात्र-छात्राएं।

कवयित्री डॉ. आकांक्षा के मंच संचालन में सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि प्राध्यापक डॉ. रमेश टण्डन ने आँखों की हंसी कविता पाठ करते हुए कहा दर्द कभी न छलके आंखों से, ठहाकों में रोने की आदत डाल लेना। गजलकार प्रो. जयराम कुर्रे ने अपनी सजल में कहा- वो किताब फिर क्या कोई दूसरा पढ़ेगा, तेरी आँखें जिसने पढ़ ली, और क्या पढ़ेगा। प्रो. गोवर्धन प्रसाद सूर्यवंशी ने आधुनिकता पर कविता पाठ किया। तिलस्मानी कवि कमल यशवंत सिन्हा तमनार ने अपनी गजल में कहा- माना कि बला की खूबसूरत हो तुम जाना। कार्यक्रम में एमए हिन्दी के छात्र प्रियंका पटेल, कौशिल्या गवेल, सोनिया चैहान, मुकेश पटैल, अनिल-विवेक, प्रिया महंत, अनिषा लहरे, मंजूलता साहू, रूकमणी पटेल, छाया डनसेना, दिव्या डनसेना, कीर्तन अजय, ट्विंकल सहित 70 से अधिक छात्रों की उपस्थिति अंत तक बनी रही।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 20 Nov 2022 - 20rag03

ठहाकों में रोने की आदत डाल लेना हिन्दी विभाग में हुआ कवि सम्मेलन

नवभारत रिपोर्टर । खरसिया।

सघन विविध कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में 14 से 17 नवम्बर तक लगातार छात्र संवर्द्धन कार्यक्रम किए जा रहे हैं। मुक्तिबोध जयंती के बाद छत्तीसगढ़ी भाषा पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। डॉ. आर के टण्डन की अध्यक्षता एवं प्रो. दिनेश संजय के संयोजन में प्रथम दिवस वंदना जायसवाल, सरोजनी डडसेना तथा संगीतमय उद्बोधन प्रो. चरणदास बर्मन शासकीय महाविद्यालय चंद्रपुर के द्वारा हुआ। द्वितीय दिवस आर के पटेल प्रधान पाठक जैमुरा, ए के त्रिवेदी प्रधान पाठक खैरपाली, वरिष्ठ कवि मनमोहन ठाकुर एवं छत्तीसगढ़ी भाषा आयोग के जिला समन्वयक पुरूषोत्तम गुप्ता के द्वारा ददरिया, करमा मौलिक गीतों की प्रस्तुति के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव व विकास पर व्यापक चर्चा की गई। 17 नवम्बर को प्रो. जयराम कुर्रे के संयोजन में स्तरीय गजल एवं सजल की मनभावन प्रस्तुति हुई। कवयित्री डॉ. आकांक्षा के मंच संचालन में सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि प्राध्यापक डॉ.

रमेश टण्डन ने 'आँखों की हँसी' का कविता पाठ करते हुए कहा- ''दर्द कभी न छलके आँखों से, ठहाकों में रोने की आदत डाल लेना।'' गजलकार प्रो. जयराम कुर्रे ने अपनी सजल में कहा - ''वो किताब फिर क्या कोई दूसरा पढ़ेगा, तेरी आँखें जिसने पढ़ ली, और क्या पढ़ेगा।'' प्रो. गोवर्धन प्रसाद सूर्यवंशी ने आधुनिकता पर कविता पाठ किया। तिलस्मानी कवि कमल यशवंत सिन्हा तमनार ने अपनी गजल में कहा - ''माना कि बला की खूबसूरत हो तुम जाना।'' प्रसिद्ध शायर अनीस 'अरमान' ने कहा- ''न बदली छायो थी, न कोहरा छाया था।'' कवि चन्द्रप्रकाश लक्ष्में ने कल क्या होगा पर गीत की प्रस्तुती देकर समां बांध दिया।

एमजी कॉलेज के हिन्दी विभाग में कवि सम्मेलन का हुआ आयोजन

खरसिया, 20 नवम्बर (देशबन्धु)। महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में 14 से 17 नवम्बर तक छात्र संवर्द्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुक्तिबोध जयंती के बाद छत्तीसगढ़ी भाषा पर दो दिवसीय कार्यशाला भी हुई। डॉ0 आर के टण्डन की अध्यक्षता एवं प्रो0 दिनेश संजय के संयोजन में प्रथम दिवस वंदना जायसवाल, सरोजनी डडसेना तथा प्रो0 चरणदास वर्मन शासकीय महाविद्यालय चंद्रपुर के द्वारा हुआ। द्वितीय दिवस आर के पटेल प्रधान पाठक जैमुरा, ए के त्रिवेदी प्रधान पाठक खैरपाली, वरिष्ठ कवि मनमोहन ठाकुर एवं छत्तीसगढ़ी भाषा आयोग के जिला समन्वयक पुरुषोत्तम गुप्ता के द्वारा ददरिया, करमा मौलिक गीतों की प्रस्तुति के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के उद्भव व विकास पर व्यापक चर्चा की गई। 17 नवम्बर को प्रो0 जयराम कुर्रे के संयोजन में स्तरीय गजल एवं सजल की मनभावन प्रस्तुति हुई। कवयित्री डॉ0 आकांक्षा के मंच संचालन में सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि प्राध्यापक डॉ0 रमेश टण्डन ने 'आँखों की हँसी' का कविता पाठ करते हुए कहा– ''दर्द कभी न छलके आँखों से, ठहाकों में रोने की आदत डाल लेना।'' गजलकार प्रो0 जयराम कुर्रे ने अपनी सजल में कहा – ''वो किताब फिर क्या कोई दूसरा पढ़ेगा, तेरी आँखें जिसने पढ़ ली, और क्या पढ़ेगा।'' प्रो0 गोवर्धन प्रसाद सूर्यवंशी ने आधुनिकता पर कविता पाठ किया। तिलस्मानी कवि कमल यशवंत सिन्हा तमनार ने अपनी गजल में कहा – ''माना कि बला की खूबसूरत हो तुम जाना।'' प्रसिद्ध शायर अनीस 'अरमान' ने कहा– ''न बदली छायी थी, न कोहरा छाया था।'' कवि चन्द्रप्रकाश लक्ष्में ने कल क्या होगा पर गीत की प्रस्तुती देकर समां बांध दिया। इस दौरान एम ए हिन्दी के छात्र प्रियंका पटैल, कौशिल्या गबेल, सोनिया चैहान, मुकेश पटैल, अनिल-विवेक, प्रिया महंत, अनिषा लहरे, मंजूलता साहू, रूकमणी पटेल, छाया डनसेना, दिव्या डनसेना, कीर्तन अजय, ट्विंकल सहित 70 से अधिक छात्रों की उपस्थिति अंत तक बनी रही।